# Hindi Murli Quiz 17-05-2015

यह क्विज आज की मुरली पर आधारित है |

***Q.1)*** **" जैसे राजा स्वयं कार्य नहीं करता, राज्य कारोबारियों से कराता है, ऐसे आत्मा भी करावनहार है । करनहार ये विशेष त्रिमूर्ति शक्तियां हैं (मन, बुद्धि और संस्कार) जो आप मास्टर रचता की रचना हैं।। तो मास्टर रचयिता के वरदान को स्मृति में रख त्रिमूर्ति शक्तियों को और साकार कर्मेन्द्रियों को सही रास्ते पर चलाना है ।"**

A. True
B. False

***Q.2)*** **"जैसे बाप के संकल्प में, बोल में, कर्म में, नयनों में वा मस्तक में सदा ही कल्याण की भावना व शुभ कामना भरी हुई है, ऐसे आप बच्चे भी चाहे कोई भी काम कर रहे हो, हद की प्रवृत्ति को चलाने अर्थ या कोई भी सेवाकेन्द्र चलाने अर्थ निमित्त हो लेकिन सदा विश्व-कल्याण की भावना हो। सदा सामने विश्व की सर्व आत्मायें इमर्ज हों। यहाँ बैठे भी चाहे कितनी भी दूर रहने वाली आत्मा हो, सेकेण्ड में उस आत्मा को अपनी श्रेष्ठ भावना व श्रेष्ठ कामना के आधार से शान्ति व शक्ति की किरणें दे सको ।"**

A. True
B. False

***Q.3)*** **बापदादा बोले : बच्चे अन्त में आप सब विशेष विश्व- कल्याणकारी आत्माओं का विचित्र पार्ट चलना है। आत्माएं तुम्हारी साइलेन्स की शक्ति के विचित्र प्रमाण देखेंगी । साइलेन्स की शक्ति रूहानी रंगत दिखायेगी। इस विषय पर बापदादा के कुछ महावाक्य चयन करें- -**

A. दूर की आत्मायें आपके सामने आकर कहेंगी कि आपने मुझे सही रास्ता दिखाया।
B. वे आत्माएं अनुभव करेंगे कि आपसे यह सम्मुख मिलन था।
C. आपने मुझे बुलाया और मैं पहुँच गया।
D. आपके दिव्य स्वरूप उनके मस्तक रूपी टी.वी. में स्पष्ट दिखाई देंगे ।
E. आत्मायें बतायेंगी कि आपने मुझे ठिकाने का इशारा दिया।

***Q.4)*** **सभी सही वाक्यों का चयन करें ---**

A. बाप से वर्सा मिला, टीचर के सम्बन्ध से पढ़ाई मिली और सतगुरू के सम्बन्ध से घर का रास्ता मिला और साथ चलेंगे।
B. अपकारी के ऊपर उपकार करना, यही ब्राह्मणों का कर्म है। वह गाली दे आप गले लगाओ, इसको कहा जाता है परिवर्तन।
C. क्रोध आने की दो बातें होती हैं एक जब कोई झूठी बात कहता है, दूसरा ग्लानि करता है। परन्तु ऐसी परिस्थिति में भी क्रोध न आये ।
D. कहते हैं भगवान राजी होते हैं तो छप्पर फाड़ कर देते हैं। बाबा तो आकाश के पार रहने वाले 5 तत्वों को भी पार करके प्राप्ति करा रहे हैं ।
E. हम इतनी श्रेष्ठ आत्मायें हैं जो स्वयं परमात्मा बाप, शिक्षक और सतगुरू बने हैं। इससे बड़ा भाग्य और किसी का हो नही सकता है ।

***Q.5)*** **"जैसे प्लेन द्वारा थोड़े समय में कहाँ से कहाँ पहुँच सकते हो। टेलीफोन द्वारा लण्डन के व्यक्ति का आवाज भी ऐसे सुनाई देगा जैसे सम्मुख बात कर रहे हैं। ऐसे ही टेलीवीजन के साधनों द्वारा कोई भी दृश्य वा व्यक्ति दूर होते हुए भी सम्मुख अनुभव होता है। यह सब साइन्स के साधन हैं जो मन का आवाज नहीं पहुँचा सकते । परन्तु साइलेन्स की शक्ति से दूर रहने वाली आत्मा के मन का आवाज भी सुनाई देगा । आत्माओं के मन में अशान्ति, दु:ख की स्थिति के चित्र भी टी.वी.की तरह स्पष्ट दिखाई देंगे । जैसे इन साधनों का कनेक्शन जोड़ा, स्विच ऑन किया, ऐसे ही बाप से कनेक्शन जोड़ा, श्रेष्ठ भावना और कामना का स्विच ऑन किया तो दूर की आत्माओं को भी समीप अनुभव करेंगे । इसको कहा जाता है विश्व- कल्याणकारी।"**

A. True
B. False

***Q.6)*** **बाप के संकल्प में, बोल में, कर्म में, नयनों में वा मस्तक में सदा ही कल्याण की भावना व शुभ कामना भरी हुई है, कैसे ? इसे निम्नलिखित पॉइंट्स को चयन करके स्पष्ट करें ----**

A. बाप के बोल में सदा बच्चों के कल्याण की भिन्न-भिन्न प्रकार की युक्तियाँ हैं।
B. मस्तक में कल्याणकारी बच्चों की यादगार मणि के रूप में है।
C. बाप का सदा एक ही संकल्प है कि सर्व का कल्याण अभी-अभी हो जाए।
D. नयनों में बच्चों के कल्याण के प्रति सर्चलाइट है।
E. हर कर्म में कल्याणकारी कर्म हैं।

**Q.7) टीचर्स के विषय में बापदादा के महावाक्य व टीचर्स के प्रति बापदादा की डायरेक्शन को चयन करके स्पष्ट करें-–**

A. टीचर अगर सारा समय अपने को बिजी रखें तो कभी भी मुश्किल न हो।
B. बिजी रखने के लिए प्लानिंग बुद्धि बनो। पहले स्वयं का प्लान फिर सेवा का प्लान ।
C. जो प्रवृति में रहते हैं उनको रहते हुए न्यारा रहना पड़ता है लेकिन टीचर तो हैं ही न्यारी। न्यारा रहने का अभ्यास करने की जरूरत नहीं।
D. टीचर्स को महान बनने के साधन जैसे वातावरण, संग, शुद्ध भोजन, सेवा, सम्पर्क और सम्बन्ध मिले हुये हैं ।
E. सदा बिजी रहकर स्वयं भी विघ्न-विनाशक और दूसरों को भी विघ्न-विनाशक बनाओ।
F. बिजी रखने के लिए पढ़ाई की तरफ अटेन्शन हो, पढ़ाई से दिल की प्रीत होनी चाहिए ।
G. ऐसा अविनाशी संगठन बनाओ जो कोई भी कम्पलेन्ट न रहे। वृद्धि बहुत कर रहे हो सिर्फ विघ्न-विनाशक बनो और बनाओ।

**Q.8) शब्दों / वाक्यों को उनके अर्थ अनुसार ही मिलाएं ---**

| | Choice | | Match |
|---|---|---|---|
| A | सब निमित्त बने हुए टीचर में बाप को देखते हैं। | 1 | लेकिन प्रैक्टिकल लाइफ की कोई भी बात भूलती नहीं हैं। |
| B | टीचर का काम है सबको कम्पलीट बनाना। | 2 | कि सर्व सम्बन्धों से परम-आत्मा मिल जायेगा। |
| C | टीचर्स अर्थात् सम्पन्न एवं विघ्न- विनाशक, | 3 | जो बाप की महिमा, वह टीचर की महिमा। |
| D | ऐसा भाग्य तो कभी सोचा भी नहीं होगा, | 4 | अगर टीचर ही कम्पलेन्ट करेगी तो कम्पलीट कैसे बनायेंगी । |
| E | सिर्फ नॉलेज होगी तो भूल सकते हो, | 5 | अगर आइना ही स्पष्ट और पावरफुल नही है तो बाप का स्पष्ट अनुभव नही कर सकेंगे । |

**Q.9) "विश्व- कल्याणकारी वाली स्थिति को बनाने के लिए --------------जमा करो। इसके लिए आत्मा निर्बन्धन अर्थात स्वतन्त्र हो। व्यर्थ संकल्पों को समाप्त कर एक समर्थ संकल्प में रहो। संकल्पों के विस्तार को समेट कर सार रूप में लाओ तब -------------- स्वत: ही बढ़ती जायेगी।"**
**[निम्नलिखित विकल्पों में से एक सबसे सटीक शब्द से दोनों रिक्त स्थान भरें ]**

A. समेटने की शक्ति
B. बेहद की वृति
C. साइलेन्स की शक्ति
D. सहयोग-शक्ति

**Q.10) शब्दों / वाक्यों को उनके अर्थ अनुसार ही मिलाएं ---**

| | Choice | | Match |
|---|---|---|---|
| A | व्यर्थ है बाह्यर्मुखता । | 1 | समर्थ है अन्तर्मुखता। |
| B | मुख के आवाज के व्यर्थ को समेट कर समर्थ अर्थात् सार में लाओ, | 2 | डायरेक्शन पर चलने वाली बुद्धि कभी फ्री कभी बिजी रहेंगे। |
| C | टीचर्स का महत्व तब है, | 3 | जब सदा मन, वाणी, कर्म, सम्पर्क में महानता दिखायें । |
| D | मन्सा की दिनचर्या भी सेट करो। | 4 | मन्सा भी बिजी रहे तो मायाजीत सहज बन सकते हो। |
| E | प्लानिंग बुद्धि सदा बिजी रहेंगे। | 5 | तब साइलेन्स की शक्ति जमा कर सकेंगे। |